मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 11 अक्टूबर 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	12/10/19	13/10/19	14/10/19	15/10/19	16/10/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	35	36	36	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	22	22	23	23	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	2	0	1	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	49	47	44	45	46
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	19	18	18	19
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	11	12	12	11	11
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण	दक्षिण	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहने की सम्भावना है। खरीफ फसलों की कटाई व थ्रैसिंग का कार्य पूरा करें।
प्याज		प्याज की पौध तैयार करने के लिए क्यारियां तैयार करें। पूसा रेड, नासिक रेड, आर.ओ–252, हिसार प्याज–3, उदयपुर –102, पूसा व्हाइट फलेट व अकोला सफेद प्याज की उन्नत किस्में है। एक हैक्टेयर फसल लगाने के लिए 10 किलो बीज पर्याप्त होता है।
लहसुन	बुवाई	लहसुन की यमुना सफेद, लावा, मलेवा व स्थानीय किस्मों की बुवाई करें। बुवाई हेतु 5 कुन्तल कलियां प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 50 किलो नत्रजन, 60 किलो फास्फोरस व 100 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर अन्तिम जुताई के समय दें। बुवाई के समय कतार से कतार की दूरी 15 सेन्टीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 7–8 सेन्टीमीटर रखें।
मूंगफली	कटाई	मूंगफली की फसल की पकाव अवस्था पर है। पत्तियां पीली पडने पर हल्की सिंचाई करें तथा पौधों को उखाड़ कर धूप में सुखाएं।
पशु		बदलते मौसम में पशुओं में गलघोंटू (H.S.) व ठप्पा रोग (B.Q.) के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अतः समय रहते इनके टीके अवश्य लगवाएं।

(नौडल ऑफीसर)